मेरे घर कबहु ना आवे सवारियां

मेरे घर कबहू ना आवे सांवरिया रोज-रोज तरसावे,
रोज-रोज तरसावे कान्हा रोज-रोज तरसावे,
मेरे घर कबहू ना आवे सांवरिया रोज-रोज तरसावे॥

बिना बुलाए गलियन में डोले,
वह तो माखन चुरावे सांवरिया रोज-रोज तरसावे,
मेरे घर कबहू ना आवे....

बिना बुलाए जमुना पर आवे,
वह तो चीर चुरावे सांवरिया रोज-रोज तरसावे,
मेरे घर कबहू ना आवे...

बिना बुलाए पनघट पर आवे,
वह तो गगरी फोड़े सांवरिया रोज-रोज तरसावे,
मेरे घर कबहू ना आवे....

बिना बुलाए मधुबन में आवे,
वह तो गैया चरावे सांवरिया रोज-रोज तरसावे,
मेरे घर कबहू ना आवे.....

बिना बुलाए बरसाने आवे,
वह तो नैना लड़ावे सांवरिया रोज-रोज तरसावे,
मेरे घर कबहू ना आवे....

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/25287/title/mere-ghar-kabahu-na-aave-sanwariya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |